

## उम्मीदों और अवसरों से भरा भारत

रविवार को विश्व उम्मीद दिवस मनाया गया, इस बार यह दिवस ऐसे समय आया है, जब भारत की विकास यात्रा को लेकर दुनिया की नजरें पहले से कहीं अधिक गंभीरता से टिकी हुई हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान वहां के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सर का यह कहना कि ‘आज का भारत उम्मीदों और अवसरों से भरा देश है ’, केवल एक औपचारिक कूटनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक दृष्टिकोण का संकेत है. यह स्वीकारोक्ति बताती है कि भारत अब केवल एक विशाल बाजार नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक, सामरिक और तकनीकी शक्ति के रूप में देखा जा रहा है.

पिछले एक दशक में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर निकलना सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की महत्वपूर्ण कहानी कहता है. तेजी से विस्तार करता मध्यम वर्ग देश की बढ़ती क्रय शक्ति, उपभोग क्षमता और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक है. यही वर्ग आने

वाले वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति देने के साथ वैश्विक निवेशकों के लिए भी सबसे बड़ा आकर्षण बनेगा.

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है. वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, युद्धों और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है. डिजिटल भुगतान, आधार, यूपीआई, स्टार्टअप इकोसिस्टम और विनिर्माण क्षेत्र में हुए सुधारों ने भारत को नई पहचान दी है. ‘मेक इन इंडिया’ और ‘आत्मनिर्भर भारत’ जैसी पहलों का प्रभाव अब रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, मोबाइल निर्माण और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देने लगा है.

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत लगातार अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है. हाल में

जारी एक वैश्विक रिपोर्ट में भारतीय वायुसेना को अमेरिका और रूस के बाद दुनिया की तीसरी सबसे प्रभावशाली वायुसेना माना जाना इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है. इससे स्पष्ट होता है कि भारत केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है. रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आधुनिक तकनीक पर बढ़ता जोर भविष्य के लिए और अधिक आत्मविश्वास पैदा करता है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इंग्लेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड यात्राएं भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं. व्यापार, निवेश, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा सहयोग और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने से जुड़े समझौते भारत की दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं को मजबूती देगे. आज वैश्विक कंपनियां भारत को केवल उत्पादन केंद्र नहीं,

बल्कि नवाचार और निवेश के भरोसेमंद साझेदार के रूप में भी देखने लगी हैं. फिर भी यह नहीं भूलना चाहिए कि अवसरों के साथ चुनौतियां भी मौजूद हैं. रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, कृषि सुधार, कौशल विकास और आय में असमानता जैसे मुद्दों पर निरंतर काम करना होगा. यदि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, तभी उम्मीदों का यह भारत वास्तव में विकसित भारत का स्वरूप ग्रहण कर सकेगा.

आज भारत के पास युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक स्थिरता और वैश्विक विश्वास . ये वारों उसकी सबसे बड़ी पूंजी है . आवश्यकता केवल इस बात की है कि सुधारों की गति बनी रहे, नवाचार को प्रोत्साहन मिले और समावेशी विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए . यदि ऐसा हुआ तो उम्मीदों और अवसरों से भरा आज का भारत, आने वाले वर्षों में विश्व व्यवस्था का एक निर्णायक नेतृत्वकर्ता बनकर उभरेगा .

### विध्य की डायरी

## ‘ आपरेशन प्रहार ’ के नीचे कैसे चल रही थी ड्रग्स की फैक्ट्री ..?



डॉ. रवि तिवारी

में उतारा. कमजोर मुखबिर तंत्र और कुछ वर्दी धारियों ने अभियान को कमजोर कर दिया. पूरे जोन में आपरेशन प्रहार 2.0 के नीचे एमडी ड्रग्स की कथित फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ, आरोपी भी दबोचे गये. 10 करोड़ से अधिक का ड्रग्स पकड़ा गया. कहीं न कहीं कमजोर मुखबिर तंत्र के कारण पुलिस पहले नहीं पहुंच पाई. सिंधम स्टाइल में काम कर रहे पुलिस अफसर का रेडार ने भी काम नहीं किया. महानगरों में बिकने वाला एमडी ड्रग्स मऊगंज और रीवा जिले में बन रहा था. आपरेशन प्रहार के साथ जन चौपाल-आपकी पुलिस आपके द्वार की मुखबिरी ड्रग्स की नहीं हुई. इससे साफ है कि पुलिस जनता की मित्र नहीं बन पाई. कहीं न कहीं ड्र के चलते आसपास की अपराधिक घटनाओं को पुलिस से साझा करने में आमजन भय खाते हैं. कथित एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ और माल के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी निरासंदेह काबिले तारीफ है पर पुलिस पर सवाल उठना भी लाजमी है. भोपाल तर्ज पर रीवा जोन में इतना बड़ा रैकेट काम कर रहा था और यहां के खुफिया

तंत्र को भनक तक नहीं लगी. इसे स्थानीय पुलिस की एक बड़ी चूक ही कहा जाएगा. रीवा में अधिकारी सिंधम बने घुमते रहे और एक इनामी तस्कर को पड़ोसी राज्य की पुलिस शहर से उठा ले गई पर स्थानीय पुलिस को इनामी दूरबीन से खोजने पर भी नहीं मिल रहा था, गजब की पुलिस है.

### वायरल चैट से गरमाई सियासत

ग्रामीण विकास विभाग में जिले से लेकर पंचायत स्तर पर किस तरह से पुरा सिस्टम काम करता है यह किसी से छिपा नहीं है. जब तक न पकड़े जाए तब तक हर कोई ईमानदारी का चोला ओढ़ कर मलाई खाता रहता है. सीधी में प्रभारी मंत्री के दौरे के पहले एक वायरल वाट्सअप चैट से सियासत गरमा गई है. दरअसल जनपद मझौली में जब एक उपयंत्री द्वारा डाटा फीडिंग के लिये फीस जमा करने का मैसैज किया तो हडकम्प मच गया. सोशल मीडिया में वायरल होते ही तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया. अंदर चर्चा है कि यह सैसी मंत्री की व्यवस्थाओं के लिये मांगे गये थे. सच्चाई जो भी हो सफाई का दौर भी चलता रहा. एक बात तो साफ हो गई कि किस तरह से पंचायत स्तर पर वसूली होती है. पूरे मामले को लेकर कांग्रेस ने भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि अब भ्रष्टाचार ने शिष्टाचार का रूप ले लिया है. मामला दब जाता लेकिन प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने यह कहते हुए इसे और हवा दे दी कि यह कांग्रेस का सोचा समझा प्लान है. पार्टी को बदनाम करने के लिये. जिसके बाद कांग्रेस भी हमलावर हो गई.

### बरगद के नीचे रात में चौपाल

जनता अपनी समस्याओं के लिये प्रशासन की चौखट पर पहुंचती है. सुनवाई में केवल तारीख पर तारीख मिलती है और समस्या वहीं खड़ी रहती है केवल आवेदन का स्वरूप बदलता रहता है. जब से कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी रीवा में पदस्थ हुए है उसके बाद से जनता में एक उम्मीद जगी है. आन स्पार्ट फैसला करने वाले कलेक्टर इस बार जिले के दूरस्थ सीमावर्ती गांव कुड़ी में जनता से संवाद करने पूरे काफिले के साथ पहुंचे. अपनी स्टाइल में उन्होंने बरगद के नीचे रात में चौपाल लगाई. जहां जनता-जनार्दन की समस्या सुनी भी गई और निराकरण भी हुआ. राज्य चिन्ह बरगद के नीचे घंटों चली चौपाल में खुलकर लोगों ने अपनी समस्या ही नहीं बताई बल्कि क्षेत्रीय समस्याओं को भी प्राथमिकता से रखा. कलेक्टर का यह अनोखा अंदाज चर्चा का विषय बना है वहीं शासन और प्रशासन के प्रति लोगो के मन में एक विश्वास भी पैदा हुआ है. जनता की समस्या के निराकरण को लेकर निचले अधिकारियों को अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी समझनी होगी. नीचे से निराकरण होगा तो ऊपर तक शिकायतें नहीं पहुंचेंगी.



### निशानेबाज

## समझो सच तो होगे खुशहाल, संघ वटवृक्ष, बीजेपी है डाल



और अविचल निष्ठा दोहराते हुए मोरारजी देसाई की सरकार से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने 1980 में बीजेपी बना ली. एक समय ऐसा भी था जब आरएसएस के लोग कहते थे कि संघ बाह्य विश्व या संघ से बाहर की दुनिया कैसी है, हम सोच भी

नहीं सकते. आज वही आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा स्वीच्छिक संगठन बन गया है. संघ की संचुरी पूरी हो चुकी है फिर भी उसके स्वयंसेवक कहते हैं-संघ शक्ति युगे युगे !'

पड़ोसी ने कहा, ‘निशानेबाज, बीजेपी में कुछ ऐसे भी नेता हैं जो संघ बैकग्राउंड के नहीं हैं. राजनीतिक ताकत बढ़ाने के लिए पार्टी अन्य दलों को तोड़फोड़ कर उनके सांसदों-विधायकों को अपने साथ लेती चली जा रही है. राजनीतिक स्वार्थ के फेविकाल से लोग जुड़ते चले जा रहे हैं.’

हमने कहा, ‘मोदी और शाह इस प्रवाह को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं. यह सधी हुई रणनीति है जिससे देश में विपक्ष का सफाया हो जाए और एकमत से सरकार चले. विरोध या अवरोध कुछ भी न रहे. इधर सदन में बिल पेश किया और बाईर किसी चर्चा के मिनिटों में पास करा लिया! विपक्षी पार्टी का बिखराव बीजेपी की ताकत को लगातार बढ़ा रहा है. जब हो दबाव या प्रलोभन, तो उजड़ता रहेगा विपक्ष का चमन !'



पुरु शर्मा

**सांझ** मौन ओढ़े खड़ी है, प्रभात की नव वेला भी उदासी में लिपटी है. अभी-अभी भारतीय लोक-चेतना का एक जाज्वल्यमान नक्षत्र टूट गया. एक स्वर, जो दशकों से हमारी चेतना के बीहड़ों में गूंज रहा था, वह अनंत के सनाटे में विलीन हो गया. मामों साक्षात पंडवान ने अपनी आँखों में करुणा के अश्रु भरकर अपने गांडीव को विश्राम दे दिया.

मेरे स्मृति के झरोखे में भोपाल के लोकरंग महोत्सव की वह धुंधली सी शाम आज भी दीपक की तरह जल रही है, जब उन्हें पहली बार सामने से देखने और सुनने का सुअवसर मिला था. उस दिन भोपाल की सर्द हवाएं तीजन बाई की तान से गर्माहट पा रही थीं. मंच पर उनका अवतरण किसी मानवीय उपस्थिति से इतर, लोक-देवताओं के आह्वान जैसा कौतुक उत्पन्न कर रहा था. हाथ में मोरपंखी तंबूरा लिये कई-कई बार उन्हें सामने से देखने का यह अनुभव लोक के उस अनथक प्रवाह को साक्षात जी लेने जैसा था, जहाँ इतिहास, पुराण और



आदिवसियों की झोपड़ियों तक, ओर लोक की पगंडडियों को वैश्विक मंचों के वैभव तक पहुँचाया.

वर्तमान की दूरियां मिट जाती थीं. तीजन बाई के कंठ में भारत की सदा स्मनात, नित-नूतन सदानेरा लोक-संस्कृति का अमृतमयी लालित्य तो था ही, उसमें महाभारत के महापात्रों का हाहाकार और करुणा भी घुली हुई थी. उनका तंबूरा कभी अर्जुन का गांडीव बन जाता, कभी भीम की गदा, कभी दुशासन की छाती चीरती उंगली, तो कभी द्रौपदी के खुले केशों का करुण विलाप. अनुप्रास की छटा बिखरती उनकी बोली में जब मोर भइया हो की गूंज उठती थी, तो श्रोता उस कालखंड में यात्रा करने लगते थे जहाँ मर्यादा और प्रतिशोध का महापुछ लड़ा जा रहा था. शब्दों की तीखी कसावट. वाक्यों का एक अनूठा, अनथक प्रवाह. नए-नए बिम्बों का संधान. जब वे कौंचक वध का प्रसंग छेड़ती थीं, तो मुखमंडल पर क्रोध

की झुर्रियां किसी प्राचीन शिलाचित्र की भाँति जीवंत हो उठती थीं. स्वर चरम पर गूँजता. और फिर, अचानक एक गहरा ठहराव; जो कोलाहल के बीच भी शून्य पैदा कर देता था, और फिर अचानक ही उस शून्यता को चीरता हुआ उनका प्रखर स्वर गूंज उठता था. वे जब गाती थीं, तो ऐसा लगता था मानो छत्तीसगढ़ की लाल माटी के कण-कण से कंकड़ पत्थर उठकर सुरों के पहरेदार बन गए हों. उनकी प्रस्तुति में जो लालित्य था, वह किसी राजदरबार की नजाकत का नहीं, बल्कि सावन की पहली फुहार में भीगती धरती का सौंदर्य था.

शास्त्रीयता जहाँ नियमों के अनुशासन में बंधकर चमचमाती है, लोक वहाँ अपनी बिम्बों का संधान. जब वे कौंचक वध का प्रसंग छेड़ती थीं, तो मुखमंडल पर क्रोध

## अब महाराष्ट्र को मिलेगा नर्मदा का पानी

दिल्ली में नर्मदा परियोजना को लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई जिसमें तय हुआ कि महाराष्ट्र को उसके हक का पानी 2 भिन्न स्रोतों से मिलेगा. इसमें से 5 टीएमसी पानी नर्मदा-तापी योजना से तथा शेष 5 टीएमसी पानी गुजरात के उकाई बांध से सीधे लिया जाएगा. लेकिन इसके लिए शर्त है कि उकाई बांध पूरी क्षमता से भरा होना चाहिए.

वास्तव में नर्मदा परियोजना पूरी होने के बाद अन्य 3 राज्यों को पानी मिलना शुरू हो गया था किंतु महाराष्ट्र को एक बूंद भी पानी नहीं मिल रहा था. अब उस मिलनेवाले 10 टीएमसी पानी का लाभ उत्तर महाराष्ट्र (खानदेश) के नंदूरबार, धुले व जलगांव जिलों के दुर्गम और सूखाग्रस्त क्षेत्रों को मिलेगा जिससे पेयजल व खेती की सिंचाई की समस्या हल हो सकेगी. उकाई बांध का पानी कैसे लाया जाए, इसके लिए कृति योजना बनाई जाएगी. महाराष्ट्र को एक बूंद भी पानी न देते हुए उस पर भारी

रकम बकाया बताई जा रही थी. मध्यप्रदेश व गुजरात, महाराष्ट्र से पैसे की मांग कर रहे थे. महाराष्ट्र का कहना था कि उसके अधिकार का पानी मिले बिना वह पैसे नहीं देगा. बीजेपी शासित चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में समाधान निकला. अधिकश बकाया रकम माफ कर दी गई. अब महाराष्ट्र को केवल 27 करोड़ रुपए देना बाकी है. नर्मदा महाराष्ट्र के नंदूरबार जिले की सीमा से 54 किलोमीटर दूर प्रवाहित होती है लेकिन यह क्षेत्र सतपुड़ा का दुर्गम पहाड़ी इलाका होने से वहां से महाराष्ट्र तक पानी लाना असंभव है. इसलिए गुजरात से पानी लाने के अलावा विकल्प नहीं है. महाराष्ट्र ने यह पानी तापी घाटी की ओर मोड़ने का प्रस्ताव रखा. तब एक घाटी से दूसरी घाटी में पानी नहीं ले जाने के नियम को परे रखकर गुजरात और मध्यप्रदेश ने इसके लिए मंजूरी दी. इतने वर्षों से गुजरात, महाराष्ट्र के हिस्से का पानी इस्तेमाल कर रहा था, अब यह नर्मदा का जल महाराष्ट्र में आएगा.

#### संपादकीय बोर्ड

| प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD12316

- डॉ. सागर खादीवाला

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

ऊपर से नीचे

1. एक उपकरण जिससे कोई द्रव पदार्थ धार या फुहारे के रूप में छोड़ा जाता है 2. एक वृक्ष का नाम 3. एक घंटे का साठवां भाग 4. घुड़की, दंड देने या हानि पहुंचाने आदि का क्रय दिखाना 5. नेवले के समान एक जंतु जो जल-स्थल दोनों में रहता है 7. स्थिर, अचल, पक्का 9. धार्मिक व्याख्यान, वह जो कहा जाए 11. वह प्रलय जिसमें सृष्टि का नाश होता है 13. कुल, वंश 15. मुसलमानों पड़लिक के अनुसार होने वाला विवाह 17. महंगा, मराठी भाषा में ग्यारह की संख्या 18. बलवान, खूब हटपुष्ट 21. गमन करना, प्रस्थान करना 22. अभिनेता, एक जाति

Solution 12315

अ

म

र

ल

ता

अ

नी

ब

ति

ज

त्वे

दा

र

ती

ज

सा

म

ल

व

ला

य

स

ह

म

त

म

न

का

ल

स

हा

म

हा

स

द

मा

ज

मा

दा

र

मा

रो

न

ह

र

त

न

छा

ह

### ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर ( म.प्र .)

#### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भाईयों के सहयोग से अचल संपत्ति में वृद्धि होगी. दाम्पत्य जीवन सुखमय मधुरतापूर्ण रहेगा. वर्ष के मध्य में कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी.सहकर्मियों की मदद रहेगी. वर्ष के अन्त में व्यवसाय में अनिश्चय की स्थिति का सामना करना पड़ेगा. आजीविका के क्षेत्र में अनावश्यक चिन्ता रहेगी. शत्रु पर विजय मिलेगी.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को

दाम्पत्य जीवन मधुरतापूर्वक रहेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों का शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यों में विवाद होगा, मन व्यथित रहेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारियों से मेल मिलाप होगा,

मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना हितकर रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को समय अनुकूल एवं लाभदायक रहेगा.

**मेघ**- आप अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करेंगे. खर्च की अधिकता रहेगी, लाभ के नये मार्ग खोजेंगे, मिलन होगा. सुख संतोष बना रहेगा.

**वृषभ**- अधिकारी आपकी कार्यशैली से प्रसन्न होंगे, नियमित दिनचर्या रहेगी, इष्ट मित्रों का सहयोग होगा.

**मिथुन**- उन्नाधिकार संबंधी समस्या हल होने से राहत मिलेगी, घरेलू आवश्यकताएं पूरी करने दौड़वपुर्ण काम करना पड़ेगा, पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा.

**कर्क**- दूसरों के दबाव में लिए फैसले मौका मिलते ही बदल देंगे, मित्र वर्ग उसाहर्षक सहयोग करेगा, जायजाद प्रापटी आदि कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. संयम रखें.

**सिंह**- व्यापारिक समझौते भाग्यदय में सहायक रहेंगे, मन की बात करीबी से कहने पर तनाव कम होगा, किये गये प्रयासों में लाभ प्राप्त होगा. नए उपक्रमों का विकास होगा.

**कन्या**- वैवाहिक चर्चाओं में सफलता के आसार हैं, आपके बढ़ते प्रभाव से लोग ईर्ष्या करेंगे, परीक्षा प्रतियोगिता में परिश्रम अधिक कराना होगा, उत्तम परिणाम प्राप्त होगा.

**तुला**- जोड़वाहिक करके काम करने के चक्र में नुकसान होगा, व्यापारवलीन कार्यों में सफलता मिलेगी, आशा से अधिक परिश्रम करने पर लाभ होगा.

**वृश्चिक**- युवाओं को काम की तलाश में भटकना पड़ेगा, अपने काम को लेकर ज्यादा गंभीर होंगे, सरकारी विभाग में रूके कार्य के बन्ने का योग है.

#### आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हष्टपुष्ट सुन्दर एवं मिलनसार होगा. मित्रों की संख्या सीमित होगी. खेलों के प्रति रुचि रखने वाला न्यायप्रिय होगा. किसी विशेष विद्या का ज्ञाता होगा. माता पिता को जीवन में सुखी रहेगा.

#### उदयकालीन ग्रह चाल

|    |           |                    |   |   |
|----|-----------|--------------------|---|---|
| 9  | 8         | के.7 रु.<br>चं.शु. | 6 | 5 |
|    |           |                    | 4 |   |
| 11 | 10<br>श.  | 1                  | 3 |   |
|    | 12<br>गु. | 2                  |   |   |

#### पंचांग

रा.मि. 22 संवत् 2083 आषाढ कृष्ण चर्तुदशी चन्द्रवासरे शाम 6/1, आद्रा नक्षत्रे रात 3/23, ध्रुव योगे दिन 4/39, विष्टि करणे सू.उ. 5/16, सू.अ. 6/44, चन्द्रचार मिथुन, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक- 5,7,1.

#### व्यापार भविष्य

आषाढ कृष्ण चर्तुदशी को आद्रा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, रूई, कपास, सूत, बिनौला, सन, सरसों, अरंडी, मूंगफली, ची, तेल, में, मंदी की चाल चलेगी, गेहूँ, जौ, चना, गुड, खांड, जायफन्त, हल्दी, में तेजी होगी. भाग्यांक 2489 है.

SUDOKU7448

5

9

1

2

3

8

4

5

2

3

5

4

8

7

5

8

6

9

1

8

1

3

4

6

7

5

2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोषी 7447

4

6

2

3

5

8

9

1

7

8

1

7

9

2

6

3

5

4

3

5

9

1

7

4

8

2

6

6

4

1

5

3

7

2

8

9

2

7

5

8

4

9

6

3

1

9

3

8

2

6

1

4

7

5

1

2

3

6

9

5

7

4

8

5

9

4

7

8

2

1

6

3

7

8

6

4

1

3

5

9

2